'' हीरा उद्योग समूह का पर्यावरण प्रबंधन एवं मानव कल्याण में योगदान ''

श्रीमती सारिका कुमारी देवांगन
डॉ. तपेश चन्द्र गुप्ता

// संक्षेपिका //

हीरा उद्योग समूह छत्तीसगढ़ राज्य के अग्रिणी उद्योगों मे से एक है । समूह ने सदैव पर्यावरण तथा मानव कल्याण का कार्य किया है। समूह की प्राथमिकता में पर्यावरण की सुरक्षा को पहला स्थान में रखा गया है और समय–समय पर पर्यावरण जागरूकता के लिए अभियान भी चलाते रहते है। जैस कि हम सभी को विदित है कि पर्यावरण के अस्तित्व से ही हमारा भी अस्तित्व विद्यमान है । धरती पर सांसे तभी सुरक्षित रह सकती है जब तक पर्यावरण सुरक्षित है उक्त कियोक्ति समूह के आर्दशात्मक व्यवहार की प्रतिबद्वता है । पर्यावरण से ही हम सभी का जीवन है इसलिए प्रत्येक उद्योग को पर्यावरण के संरक्षण के लिए कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए । जिस पर्यावरण के अन्तर्गत हम कार्य कर रहे है उस पर्यावरण की रक्षा करना हमारा कर्त्तव्य है। इसी प्रकार उद्योग में कार्य कर रहे कर्मचारियों तथा उद्योग के निकटतम स्थानीय निवासी के आवश्यकता को पूर्ण करने का प्रयास करना भी उद्योग के लिए आवश्यक है। हीरा उद्योग समूह निरन्तर पर्यावरण के संरक्षण तथा मानवकल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहा है । पर्यावरण संरक्षण न केवल वर्तमान अपितु भविष्यगत सुखद परिणाम देता है । पर्यावरण मानव जगत के अस्तित्व को बनाये रखने में सहायक होते है इसलिए प्रत्येक उद्योग को प्रतिबद्धता के साथ पर्यावरण संरक्षण के दिशा में योगदान देना चाहिए जिससे मानव कल्याण में योगदान स्वतः निर्मित होगा ।

प्रस्तावनाः–

पर्यावरण सम्पूर्ण विश्व का आधार है । सभी जीव–जगत के उद्भव एवं विकास तथा भविष्य का विकास भी पर्यावरण पर ही निर्भर करता है । पर्यावरण के निरंतर अनुचित दोहन से न केवल मनुष्य अपितु पुश, पक्षी, जीव जन्तु एवं वनस्पति का अस्त्तिव भी खतरे में आ जाता है । पर्यावरण का अत्याधिक उपयोग करने के परिणाम स्वरूप आज विश्व को कई प्रकार के संकट का सामना करना पड रहा है । जैसे – पर्यावरण संबंधी समस्या, जल, वायु प्रदुषण, प्राकृतिक आपदा, भूमि अपरदन, इत्यादि ।

पर्यावरण प्रबंधन एक संरचनात्मक एवं जटिल प्रकिया है जिसमें मूल्यांकन, विश्लेषण, नियोजन की सहायता से निश्चित एवं सीमित संसाधनों का सदुपयोग किया जाना आवश्यक है। पर्यावरण प्रबंधन का

एकसुत्रीय ध्येय है जिसके अन्तर्गत पर्यावरण के सकंट को नियंत्रण करना है । पर्यावरण प्रबंधन एक ऐसी प्रकिया है जो व्यक्ति से व्यक्ति, समुदाय से समुदाय तथा प्रदेश से प्रदेश में भिन्नता रखती है । मनुष्य ने पर्यावरण के उपयोग से पर्यावरणीय ज्ञान में वृद्धि की है और उनके सुक्ष्म श्रृखला को भी समझने में समर्थ हुआ है लेकिन पर्यावरण के अत्याधिक दोहन के कारण जीवो और पादपों की अनेक प्रजातियो विलुप्त होती जा रही है तथा संसाधनों के समाप्त होने का संकट भी बढ़ता जा रहा है इसलिए पर्यावरण प्रबंधन की आवश्यकता है जिससे संसाधनों का उपयोग युक्ति संगत हो सके । पर्यावरण प्रंबंधन का मुख्य उद्वेश्य निम्न है–

1. पर्यावरण प्रदुषण को कम करना ।
2. पर्यावरण को प्रदूषण से बचाना ।
3. अधिक से अधिक पेड़ लगाना ।
4. औद्योगिक संरचना को पर्यावरणीय सकारात्मक स्वरूप प्रदान करना ।
5. औद्योगिक प्रदूषण का न्यूनीकरण।
6. स्वच्छ एवं निर्मल वातावरण का निमार्ण करना ।
7. स्वच्छता को प्राथमिकता देना ।
8. विलुप्त हो रही प्रजातियो का संरक्षण ।

मानव कल्याण एक निरंतर तथा वृहद प्रक्रिया है । मनुष्य के विकास के लिए जल, भूमि, स्वास्थ्य, भोजन, शिक्षा, शुद्व पर्यावरण आदि की आवश्यकता होती है। हीरा उद्योग समूह अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए स्थानीय नागरिको के आवश्यकता के अनुसार कार्य कर रहा है।

उद्वेश्यः–

1. हीरा उद्योग समूह के द्वारा पर्यावरण प्रबंधन के कार्यो का अध्ययन ।
2. हीरा उद्योग समूह द्वारा मानवकल्याण के कार्यो का अध्ययन ।

परिकल्पनाः–

H_1 हीरा उद्योग समूह पर्यावरण प्रबंधन का कार्य कर रही है।

H_2 हीरा उद्योग समूह मानवकल्याण का कार्य कर रही है।

शोध प्रविधिः–

a) जनसंख्या

छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त नागरिको को सम्मिलित किया गया है।

b) न्यायदर्श

1. छत्तीसगढ़ राज्य के हीरा उद्योग समूह के 15 कर्मचारियों का चयन किया गया है ।
2. हीरा उद्योग समूह के स्थानीय क्षेत्रीय निवासियों के 15 आम नागरिकों का चयन किया गया है ।

हीरा उद्योग समूह द्वारा पर्यावरण प्रबंधन एवं मानवकल्याण कार्य की वर्षवार तालिका (वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18,) रू. लाखों में

क्रमांक	पर्यावरण प्रबंधन एवं मानव कल्याण परियोजनाए	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
1.	बुनियादी ढ़ाचा का विकास	53.660	16.300	9.592	7.600
2.	शिक्षा	27.740	50.580	14.694	23.950
3.	स्वास्थ्य सुविधा	81.170	98.740	98.883	103.430
4.	महिला सशक्तिकरण	2.630	1.620	1.270	1.660
5.	समुदाय कल्याण	0.000	4.920	0.000	7.000
6.	पर्यावरण प्रबंधन	185.250	102.350	44.175	115.330

स्त्रोत– वार्षिक प्रतिवेदन हीरा उद्योग समूह वर्ष 2014–15 से 2017–2018

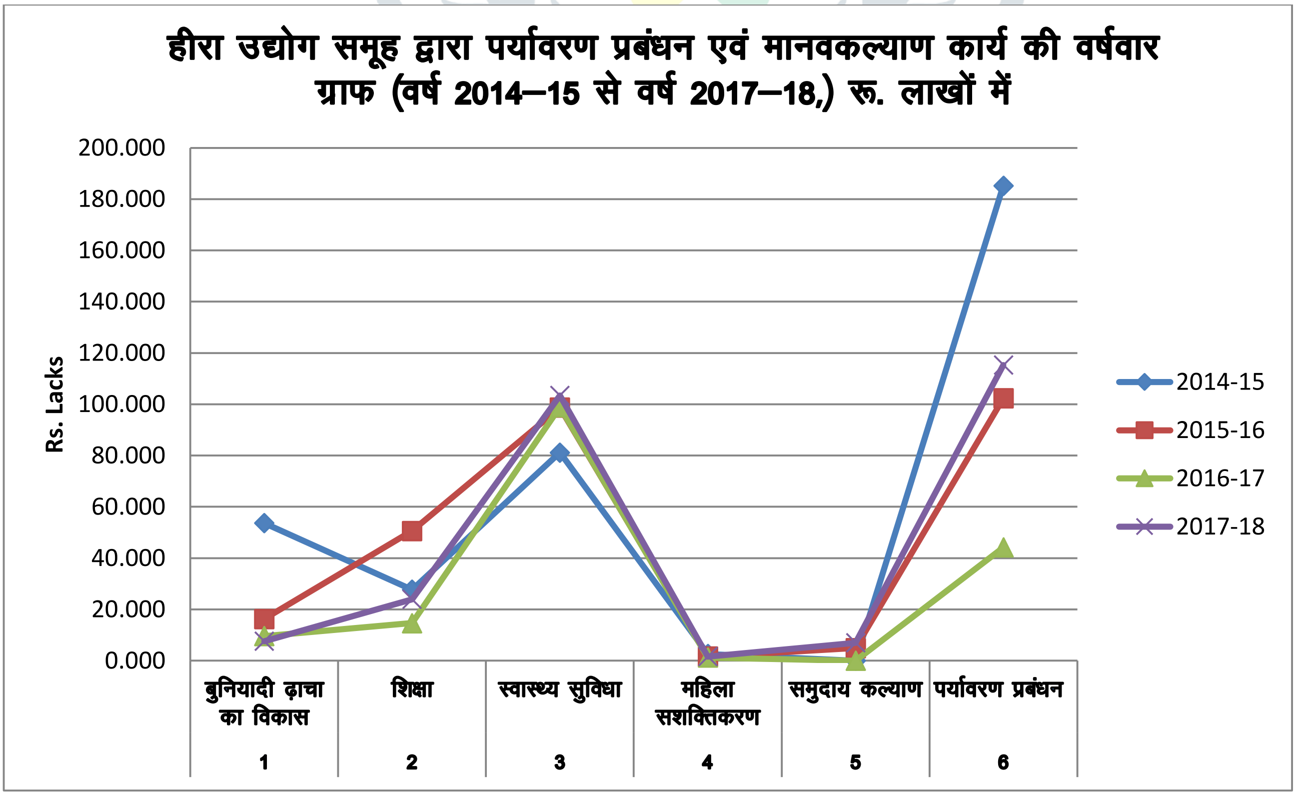

हीरा उद्योग समूह द्वारा पर्यावरण प्रबंधन एवं मानवकल्याण कार्य निरंतर किए जा रहे है। वर्ष 2014–15 में बुनियादी ढांचा का विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण में क्रमशः 53.66, 27.74, 81.17, 2.63, 185.25(लाखों में) में व्यय किया गया है ।

वर्ष 2015–16 में हीरा उद्योग समूह द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा, समुदाय कल्याण में वृद्धि हुई है लेकिन बुनियादी ढांचा का विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण में व्यय में कमी हुई है ।

वर्ष 2016–17 में हीरा उद्योग समूह द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में स्वास्थ्य सुविधा पर व्यय में वृद्धि हुई है लेकिन बुनियादी ढांचा का विकास, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण समुदाय कल्याण, पर्यावरण में व्यय में कमी हुई है ।

वर्ष 2017–18 में हीरा उद्योग समूह द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा, समुदाय कल्याण, पर्यावरण पर व्यय में वृद्धि हुई है लेकिन बुनियादी ढांचा का विकास, महिला सशक्तिकरण के मदों में कमी हुई है।

निष्कर्षः–

H_1 शोध अध्ययन के पश्चात् यह स्पष्ट हो जाता है कि हीरा उद्योग समूह द्वारा औद्योगिक प्रदूषण की न्यूनीकरण पर्यावरण प्रबंधन का कार्य किए जा रहे है. हीरा उद्योग समूह ने पर्यावरण को प्रथम प्राथमिकता दी है और पर्यावरण सुरक्षा/संरक्षण को स्वच्छ बनाने के निरन्तर प्रयास कर रही है।

H_2 शोध अध्ययन के पश्चात् यह स्पष्ट हो जाता है कि हीरा उद्योग समूह द्वारा मानवकल्याण और विलुप्त हो रही और प्रजातियो का संरक्षण के लिए प्रयास किये जा रहे है । हीरा उद्योग समूह स्थानीय निवासियों के लिए उसके आवश्यकतानुसार सुविधाएं उपलब्ध करा रही है ।

संदर्भ ग्रंथ की सूची :–

1. जैन बी.एम., शोध प्रविधि व क्षेत्रीय तकनीक, 2001, रिसर्न पब्लिकेषन जयपुर
2. अग्रवाल जी के एवं पाण्डेय एस.एन., शोध सांख्यिकी, 2004, साहित्य भवन पब्लिकेषन
3. सिन्हा, वी.सी., व्यावहारिक अर्थषास्त्र, 2006, साहित्य भवन
4. आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2014–15, 2015–2016, 2016–17 एवं 2017–18 आर्थिक एवं सांख्यकी संचालनालय, रायपुर

5. हीरा गोदावरी पॉवर एण्ड इस्पात वार्षिक प्रतिवदेन वर्ष 2014–15, 2015–2016, 2016–17 एवं 2017–18

श्रीमती सारिका कुमारी देवांगन
शोध छात्रा(वाणिज्य)
शासकीय जे.वाय. छत्तीसगढ़ महाविद्यालय,
रायपुर छ.ग.
मोबाईल क्रमांक 78280–35029
E-mail- sarikadewangan123.pr@gmail.com

डॉ. तपेश चन्द्र गुप्ता
प्राध्यापक(वाणिज्य)
शासकीय जे.वाय. छत्तीसगढ़ महाविद्यालय,
रायपुर छ.ग.
मोबाईल क्रमांक 70077–73900
E-mail- tapesh_48gupta@yahoo.in

5/5